भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

प्रेस विज्ञप्ति

माननीय नागर विमानन मंत्री द्वारा भा वि प्रा के ऊर्जा संरक्षण उपायों की प्रशंसा

नई दिल्ली, 11 जुलाई, 2016 – माननीय नागर विमानन मंत्री श्री अशोक गजपति राजू तथा माननीय राज्य मंत्री श्री जयंत सिन्हा ने 8 जुलाई, 2016 को सभी हवाईअड्डों पर ऊर्जा संरक्षण तथा गैर पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों का अधिकतम प्रयोग संबंधी भा वि प्रा परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की । नागर विमानन मंत्री श्री अशोक गजपति राजू ने भाविप्रा के प्रयासों की सराहना की तथा भाविप्रा के अध्यक्ष को निदेश दिया कि वे शेष हवाईअड्डों पर गैर पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों के अधिकतम प्रयोग हेतु और अधिक प्रयास करें ।

समीक्षा बैठक में सचिव, नागर विमानन मंत्रालय के साथ मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों, अध्यक्ष भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण श्री सुधीर रहेजा, विभिन्न भाविप्रा क्षेत्रों/ हवाईअड्डों के क्षेत्रीय कार्यपालक निदेशकों तथा विमानपत्तन निदेशकों ने भाग लिया ।

माननीय मंत्रियों को अध्यक्ष, भाविप्रा ने सूचित कियाकि 16 हवाईअड्डों (एक राजीव गांधी भवन, सफदरजंग हवाईअड्डा सहित पर रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए व प्रवर्तित किए जा चुके हैं । 11 अन्य हवाईअड्डों पर, सौर ऊर्जा परियोजनाएं लगाने का कार्य प्रगति पर है व अगले 3-4 माह में पूरा होने की आशा है । इसके अतिरिक्त, कोलकाता, जयपुर और चंडीगढ़ में सौर ऊर्जा संयंत्रों की तीन प्रमुख परियोजनाएं दिसम्बर, 2016 तक पूरी होने की संभावना है । इनकी कुल क्षमता 19.8 मेगावाट है । भाविप्रा ने 16 अन्य हवाईअड्डों पर 116 मेगावाट की संयुक्त क्षमता वाले सौर ऊर्जा संयंत्रों की योजना भी बनाई है बशर्ते जहां ये हवाईअड्डे स्थित हैं, उन संबंधित सरकारों के साथ नेट मीटिरिंग तथा फीडिंग टेरिफ के मुद्दे सुलझ जाएं ।

इससे पहले भी नवीकरणीय ऊर्जा/ऊर्जा संरक्षण के प्रति भाविप्रा के प्रयासों की विभिन्न मंचों पर सरहाना होती रही है । इस वर्ष जून में रूफ टॉप सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए ''राष्ट्रीय उत्कृष्टता अवार्ड 2016'' विज्ञान भवन में दिया गया ।

सार रूप में, अभी तक विभिन्न हवाईअड्डों पर 51 लाख यूनिट सौर ऊर्जा उत्पादित की गई है । इससे कार्बन फुट प्रिन्ट में कमी आई है जो कि जलवायु परिवर्तन का प्रमुख कारण है । इसके लिए माननीय प्रधानमत्री विभिन्न अन्तरराष्ट्रीय फोरम पर ध्यान दे रहे हैं ।

केवल प्रतिस्थापित सौर ऊर्जा संयंत्रों से ही भाविप्रा कार्बन उत्सर्जन में 4600 मीट्रिक टन कमी ला सकी है ।

अंत में, मंत्री महोदय ने अध्यक्ष भाविप्रा को निदेश दिए कि अन्य छोटे हवाईअड्डों पर भी आधुनिक तकनीक के माध्यम से समान संयंत्र लगाए जाएं ।

.....

जनसम्पर्क विभाग द्वारा जारी
विस्तृत विवरण के लिए संपर्क करें:
महाप्रबंधक (ज.सं.) 011-24622787, 9811521881
सं. 22/2016-17